http://krishipravahika.vitalbiotech.org/

कृषि प्रवाहिका: ई-समाचार पत्रिका

e-ISSN: 2583 – 0430

कृषि-प्रवाहिका: ई-समाचार पत्रिका, (2025) वर्ष 5, अंक 12, 21-22

Article ID:517

ग्रामीण युवाओं के लिए एग्री-बिजनेस मॉडलों का विकास

राजेश जलवानिया[1*], सुबेदार सिंह[2], रजनीश कुमार[3]

[1]सहायक प्राध्यापक, प्रो. (होर्टी), कृषि विज्ञान केन्द्र, शाहपुरा (भीलवाड़ा द्वितीय)-311404

[2]सहायक प्राध्यापक, मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन, कृषि विभाग, मंदसौर, विश्वविद्यालय, मंदसौर, मध्य प्रदेश, पिन कोड- 458001

[3]सहायक प्राध्यापक, कृषि विद्यालय, ज्ञानवीर विश्वविद्यालय सागर (म.प्र.) 470115,

[*]अनुरूपी लेखक

राजेश जलवानिया[*]

भारत की अर्थव्यवस्था में कृषि का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है, और ग्रामीण युवा इस क्षेत्र का मुख्य आधार हैं। परंपरागत कृषि में सीमित लाभ और मौसमी निर्भरता के कारण आज के युवाओं में कृषि को पेशे के रूप में अपनाने की रुचि कम हो रही है। इस समस्या का समाधान है

एग्री-बिजनेस मॉडल, जो कृषि को उद्यमिता के रूप में विकसित करने और रोजगार सृजन में मदद करता है। ग्रामीण युवाओं को एग्री-बिजनेस मॉडल के माध्यम से न केवल आय बढ़ाने का अवसर मिलता है, बल्कि वे कृषि क्षेत्र में नवाचार, तकनीकी कौशल और संगठनात्मक नेतृत्व भी विकसित कर सकते हैं।

एग्री-बिजनेस मॉडल क्या है?

एग्री-बिजनेस मॉडल वह संरचना है जिसके माध्यम से कृषि उत्पादन, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन, विपणन और सेवा कार्यों को व्यवस्थित तरीके से चलाया जाता है। इसका उद्देश्य कृषि गतिविधियों को लाभकारी, टिकाऊ और रोजगार-सृजनकारी बनाना है।

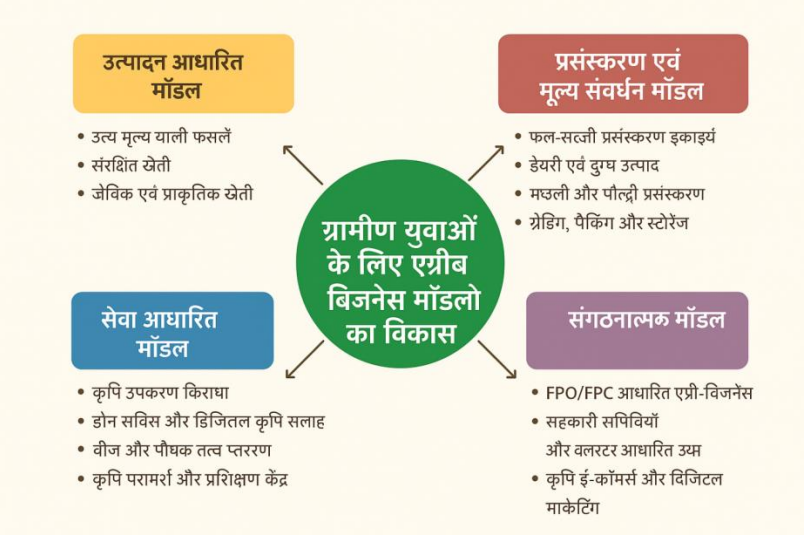

मुख्य घटक:

- ✓ उत्पादन और इनपुट प्रबंधन
- ✓ प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन
- ✓ विपणन और वितरण
- ✓ वित्त और जोखिम प्रबंधन
- ✓ नवाचार और डिजिटल प्लेटफॉर्म

ग्रामीण युवाओं के लिए प्रमुख एग्री-बिजनेस मॉडल

1. उत्पादन आधारित मॉडल

- ✓ उच्च मूल्य वाली फसलें: टमाटर, शिमला मिर्च, खीरा, स्ट्रॉबेरी
- ✓ संरक्षित खेती
- ✓ जैविक और प्राकृतिक खेती

2. प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन मॉडल
- ✓ फल-सब्जी प्रसंस्करण इकाइयाँ (जूस, अचार, जैम, जेली)
- ✓ डेयरी और दुग्ध उत्पाद
- ✓ मछली और पोल्ट्री प्रसंस्करण
- ✓ ग्रेडिंग, पैकिंग और स्टोरेज

3. सेवा आधारित मॉडल
- ✓ कृषि उपकरण किराया
- ✓ ड्रोन सर्विस और डिजिटल कृषि सलाह
- ✓ बीज और पोषक तत्व वितरण
- ✓ कृषि परामर्श और प्रशिक्षण केंद्र

4. संगठनात्मक मॉडल
- ✓ FPO/FPC आधारित एग्री-बिजनेस
- ✓ सहकारी समितियाँ और क्लस्टर आधारित उद्यम
- ✓ कृषि ई-कॉमर्स और डिजिटल मार्केटिंग

ग्रामीण युवाओं के लिए एग्री-बिजनेस मॉडल के लाभ

1. **रोजगार सृजन** – स्वयं रोजगार के साथ-साथ दूसरों के लिए अवसर।
2. **आय में वृद्धि** – उच्च मूल्य वाली फसलों और प्रसंस्कृत उत्पादों से लाभ।
3. **कौशल विकास** – प्रबंधन, वित्त, विपणन और तकनीकी कौशल।
4. **नवाचार और उद्यमिता** – कृषि में नए व्यवसायिक विचारों को लागू करने का अवसर।
5. **स्थानीय अर्थव्यवस्था सशक्तिकरण** – ग्रामीण क्षेत्रों में निवेश और संसाधनों का कुशल उपयोग।

चुनौतियाँ और बाधाएँ
- ✓ प्रारंभिक निवेश और वित्त की उपलब्धता
- ✓ तकनीकी जानकारी और प्रशिक्षण की कमी
- ✓ बाजार की अनिश्चितता और मूल्य अस्थिरता
- ✓ डिजिटल प्लेटफॉर्म और इंटरनेट तक सीमित पहुँच
- ✓ कृषि जोखिम: मौसम, रोग, कीट और प्राकृतिक आपदा

सफल एग्री-बिजनेस मॉडल के लिए रणनीतियाँ

1. प्रशिक्षण और कौशल विकास
- ✓ कृषि विज्ञान केंद्र और निजी संस्थानों द्वारा प्रशिक्षण
- ✓ डिजिटल कृषि, संरक्षित खेती, प्रसंस्करण और विपणन प्रशिक्षण

2. वित्तीय और सरकारी सहायता
- ✓ प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना
- ✓ स्टार्टअप इंडिया और कृषि स्टार्टअप इनक्यूबेशन
- ✓ कृषि ऋण और सब्सिडी योजनाएँ

3. संगठन और नेटवर्किंग
- ✓ FPO/FPC के माध्यम से सामूहिक कार्य
- ✓ बाजार और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से सीधा विपणन
- ✓ स्थानीय क्लस्टर मॉडल और आपूर्ति श्रृंखला का विकास

4. नवाचार और तकनीकी हस्तक्षेप
- ✓ डिजिटल प्लेटफॉर्म और मोबाइल ऐप का प्रयोग
- ✓ ड्रोन, सेंसर्स, IoT और AI आधारित कृषि सेवाएँ
- ✓ मूल्य संवर्धन और प्रसंस्करण में नए उद्यम

निष्कर्ष

ग्रामीण युवाओं के लिए एग्री-बिजनेस मॉडल न केवल रोजगार का एक स्थायी माध्यम हैं, बल्कि ये कृषि क्षेत्र को आधुनिक, लाभकारी और तकनीकी रूप से सक्षम बनाने का एक सशक्त उपकरण हैं। यदि ग्रामीण युवाओं को उचित प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता, तकनीकी मार्गदर्शन और विपणन समर्थन मिले, तो वे कृषि को एक आकर्षक व्यवसाय के रूप में अपनाकर न केवल अपनी आय बढ़ा सकते हैं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था और देश की खाद्य सुरक्षा में भी योगदान कर सकते हैं।